सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 10 ● अंक: 298 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शुक्रवार, 6 दिसम्बर, 2024
मूल्य ₹ 3/-

विश्वास वो शक्ति है जिससे उजड़ी हुई दुनिया में भी प्रकश किया जा सकता है।
-हेलेन केलर

टी तक भारत ने 4 विकेट खोकर बनाए... 7 | नए तेवर में सधी चाल चल रहे... 3 | डीएनए पर बवाल : अखिलेश यादव... 2

सदन में नोटों की गड्डी, सदस्यों का चिल्लर जैसा बिहेवियर !

नोटों की गड्डी बना कारण, सभापति ने दिये जांच के आदेश

- लोकसभा के साथ राज्यसभा में भी हंगामा
- सवाल बड़ा है कि सदन में कौन लाया 500 रूपये के नोट का बंडल
- सीट नम्बर 222 के पास मिले नोट, कांग्रेसी सांसद अभिषेक मनु सिंघवी के नाम एलाट है सीट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। किसी ने खूब शेर कहा है कि तेज हवा चुपचाप बहती रहती है, सूखे पत्ते शोर मचाते रहते हैं। देश के सर्वोच्य सदन राज्यसभा में आज 500 रूपये की नोटों की गड्डिया मिलने के चलते खूब शोर मचा। यह शोर उस समय और तेज हुआ जब पता चला कि जहां पर नोट मिले हैं वह जगह कांग्रेसी सासंद अभिषेक मनु सिंघवी के नाम पर एलाट है।

राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने बताया कि रूटीन सुरक्षा जांच के दरम्यिान सीट नम्बर 222 से 500 रूपये के नोटो की गड्डीया मिली है। शक की सुई अभिषेक मनु सिंघवी पर घूमी तो बीजेपी सदस्यों की तरफ से हूटिंग होने लगी। इस पर कांग्रेस अध्यक्ष खरगे को गुस्सा आ गया और उनहोंने सभापति से कहा कि जबतक जांच नहीं हो जाती तबतक किसी का नाम लेना उचित नहीं है। बीजेपी सदस्यों के व्यवहार को उन्होंने चिल्लरों जैसा व्यावहर बताया।

भड़क गये खरगे

हो हल्ला होते ही सभापति जगदीप धनखड़ ने जांच के आदेश दिए है। राज्यसभा में आज इस मुददे के लेकर विपक्ष ने जमकर हंगामा किया। इस मसले के बारे में राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने सदन को जानकारी दी। इसी मुद्दे पर जब राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे बोलने उठे तो सता पक्ष के लोगों ने हंगामा करना शुरू कर दिया। इसके बाद खरगे भड़क गए और कहा कि ऐसा चिल्लर काम करके देश को बदनाम कर रहे हो।

पूरा मामला यह है

सभापति धनखड़ ने बताया कि मुझे जानकारी मिली है कि एक रूटीन एंटी सेबाटोज जांच के दौरान कल सदन की कार्यवाही स्थगित होने के बाद करेंसी नोट की गड्डी बरामद की गई है। उन्होंने बताया कि ये सीट नंबर 222 पर मिली है, जो कांग्रेस के सांसद अभिषेक मनु सिंघवी को अलॉट है। वे तेलंगाना से 2024-26 तक के लिए राज्यसभा सांसद हैं। उनके इस वक्तव्य के बाद कांग्रेसी सांसदों ने खूब हंगामा किया और कहा कि किसी के नाम को लेने की क्या जरूरत थी।

यूपी सदन में मिला था सफेद पाउडर

इसी प्रकरण से मिलता जुलता हादसा उत्तर प्रदेश के विधानभवन में भी हुआ था। यूपी के सदन में उस समय अफरा-तफरी मच गयी थी जब वहां से एक पुड़िया में सफेद पाउडर बरामद हुआ था। मिले पाउडर को पीटेन बताया गया और इसे विस्फोट से जोड़कर देखा गया। लेकिन बाद में यूपी विधानसभा में मिला संदिग्ध पाउडर पीईटीएन विस्फोटक नहीं निकला। सरकार की ओर से जारी बयान में इसकी पुष्टि की गई है। वहीं, पीईटीएन के नाम पर सरकार को हिला देने वाले विधि विज्ञान प्रयोगशाला के निदेशक श्याम बिहारी उपाध्याय को सोमवार को निलंबित कर दिया गया। उन पर पिछले डेढ़ महीने से तलवार लटकी थी। प्रमुख सचिव गृह अरविंद कुमार ने बताया कि उपाध्याय पर लगे गंभीर आरोपों के कारण उन्हें सस्पेंड किया गया है।

'गिरने नहीं दूंगा गरिमा'

लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने लोकसभा की कार्यवाही को विपक्षी दलों के हंगामे के चलते महज 43 सेकेंड में ही स्थगित कर दिया। उन्होंने इस बात पर विशेष बल दिया कि चाहे कुछ भी हो जाए, वह सदन की गरिमा नहीं गिरने देंगे। उन्होंने कहा, सदन गरिमा और उच्च कोटि की परंपरा से चलेगा। सदन के अंदर न गरिमा गिरने दूंगा और न ही मर्यादा कम होने दूंगा। उन्होंने कहा, मेरा आपसे आग्रह है कि आप लोग प्रश्नकाल में सहयोग करें। इसके बाद लोकसभा स्पीकर ने सदन को एक घंटे के लिए स्थगित कर दिया। उल्लेखनीय है कि 25 नवंबर के बाद से सदन में विपक्षी दलों के द्वारा लगातार हंगामा देखने को मिल रहा है। लोकसभा की कार्यवाही शुरू होने के बाद स्पीकर ओम बिरला ने आकर अपना स्थान ग्रहण ही किया था कि विपक्षी सांसदों ने हंगामा करना शुरू कर दिया। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की मौजूदगी में कांग्रेस नेताओं का सदन में हंगामा जारी रहा। लोकसभा में विपक्षी सांसदों ने कई मुद्दे उठाए। इनमें प्रमुख रूप से संभल हिंसा शामिल था। वहीं बाबा साहेब भीम राव अंबेडकर की पुण्यतिथि के मौके पर कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा सहित विपक्षी नेता संविधान की पुस्तक लेकर पहुंचे और उन्होंने जय संविधान के नारे भी लगाए।

क्या बोले अभिषेक?

सांसद अभिषेक मनु सिंघवी के मुताबिक वह गुरूवार को संसद में महज तीन मिनट रुके और 30 मिनट का समय उन्होंने सपा सांसद के साथ कैंटीन में बिताया। उन्होंने बताया कि वह सिर्फ 500 रूपये का नोट लेकर आते हैं। उन्होंने कहा कि किस सीट पर कौन बैठे, किसी को पता नहीं। ऐसे में क्या अब सीट को लॉक करके जाना होगा। उन्होंने ताले वाली सीट लगाने की बात कही और कहा कि नोटों की गड्डियों से उनका कोई संबध नही है। उन्होनें कहा कि वह इस पूरे प्रकरण पर हैरान है। उन्होंने जांच एजेंसियों पर भी सवाल उठाया और कहा कि क्या मौजूदा समय में सदन की सुरक्षा नकाफी है। क्योंकि ऐसे में तो कोई भी किसी की भी सीट पर कुछ भी रख सकता है।

> "किस सीट पर कौन बैठे, किसी को पता नहीं। ऐसे में क्या अब सीट को लॉक करके जाना होगा। नोटों की गड्डियों से मेरा कोई संबध नही है।"

डीएनए पर बवाल : अखिलेश यादव और प्रमोद तिवारी ने उठाये सवाल !

सीएम योगी को भी अपना डीएनए चेक करा लेना चाहिए : अखिलेश

» संत को ऐसी बातें शोभा नहीं देती, प्रदेश भुगत रहा है खामियाजा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बार-बार डीएनए चेक कराने की बात करते हैं, उन्हें अपना भी डीएनए चेक कराना चाहिए। उपचुनाव में सीसामऊ सीट पर जीत दर्ज करने के बाद पहली कानपुर आए सपा मुखिया ने पत्रकारों से बात करते हुए सीएम योगी द्वारा डीएनए चेक कराने की बात पर कहा कि वो संत हैं, योगी हैं, भगवा वस्त्र धारण करते हैं, इसलिए उन्हें ऐसी बातें करना शोभा नहीं देता।

उन्हें ऐसी बातें नहीं करना चाहिए, अपनी गरिमा का ख्याल रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री को जन सरोकार के मुद्दों पर बोलना चाहिए। उन्हें जनता व प्रदेश के विकास पर ध्यान देना चाहिए, लेकिन दुर्भाग्य की बात है कि उनका ध्यान इसकी ओर नहीं है, जिसका खामियाजा प्रदेश की जनता भुगत रही है। अखिलेश यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी ने कितनी साइंस पढ़ी है, जीव विज्ञान का कितना अध्ययन किया है, मुझे नहीं पता, लेकिन अगर वे बार-बार डीएनए चेक करने की बात करते हैं, तो उन्हें अपना और मेरा दोनो का डीएनए चेक कराना चाहिए। अगर ऐसा नहीं कर पाते हैं, तो उन्हें डीएनए चेक कराने की बात बंद कर देना चाहिए। सपा मुखिया अखिलेश शादी समारोह में शामिल होने कानपुर आए थे। वह पूर्व सांसद राजा रामपाल के बेटे और बहू को आशीर्वाद देकर एमएलसी कल्लू यादव के यहां भी शादी समारोह में शामिल हुए।

बीजेपी और बाबर का एक निकलेगा डीएनए : प्रमोद तिवारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बयान पर कांग्रेसी नेता प्रमोद तिवारी ने पलटवार किया है। गौरतलब है कि संभल हिंसा पर सीएम योगीने कहा था कि 500 साल पहले जो बाबर ने किया था, वही आज बांग्लादेश और संभल में हो रहा है। घटनाओं की प्रकृति और डीएनए एक ही है। कांग्रेस के राज्यसभा सांसद प्रमोद तिवारी ने उनके बयान पर पलटवार करते हुए कहा है कि अगर जांच की जाए तो भारतीय जनता पार्टी और बाबर का डीएनए भी एक ही निकलेगा।

कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने इस दौरान संभल की घटना को लेकर पुलिस प्रशासन को घेरते हुए कहा कि संभल में वहां के प्रशासन और पुलिस पर उंगलियां उठ रही है कि वो रक्षा नहीं कर पाए उन चार लोगों की जिनकी मौत हो गई। आरोप लग रहा है कि पुलिस ने ही उनकी हत्या की है। इसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए और निष्पक्ष जांच तब तक नहीं हो सकती जब तक वहां से डीएम को नहीं हटाया जाएगा।

बाबर और औरंगजेब के अलावा इनके पास कुछ नहीं

प्रमोद तिवारी से जब सीएम योगी के बाबर और डीएनए वाले बयान को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि इनके पास बाबर और औरंगजेब के अलावा और कुछ नहीं है। ये विकास के नाम पर शून्य है जो एकता और कानून व्यवस्था होनी चाहिए उसके नाम पर शून्य हैं। इसलिए हर मामले से ध्यान हटाने के लिए सिर्फ बाबर औरंगजेब का नाम लेते हैं। मुझे लगता है कि डीएनए टेस्ट किया जाए तो भाजपा का डीएनए और बाबर का डीएनए एक ही निकलेगा।

पर्यावरण प्रदूषण से राहुल गांधी दिलाएंगे निजात !

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पर्यावरणविदों व विशेषज्ञों की टीम ने पर्यावरण प्रदूषण की समस्या के समाधान के लिए लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी से मुलाकात की और समस्या के समाधान पर उनके साथ चर्चा की। टीम ने राहुल गांधी से आग्रह किया कि वह इस समस्या से निबटने के लिए उनके द्वारा तैयार किया गये प्लान को देखे और जरूरी सुझाव दें।

डॉ. संजीव बगई, पर्यावरणविद जय धर गुप्ता और विमलेंदु झा तथा भावरीन खंडारी सहित नागरिकों और विशेषज्ञों के एक प्रतिनिधिमंडल ने बिगड़ते वायु प्रदूषण संकट के समाधान के लिए लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी से मुलाकात की। उन्होंने समस्या के समाधान के लिए तत्काल कार्रवाई का आग्रह करते हुए एक याचिका प्रस्तुत की। इस दौरान हुई चर्चा के दौरान विशेषज्ञों ने समस्या के समाधान के लिए समाधान भी सुझाए। विशेषज्ञों ने कहा कि प्रदूषण की वजह से पूरा पर्यावरण प्रभावित हो रहा है। इससे इंसानों के साथ-साथ पेड़-पौधे भी प्रभावित हैं। पेड़-पौधों की कार्बन डाई ऑक्साइड के अवशोषण व ऑक्सीजन के उत्सर्जन की क्षमता पर भी असर पड़ रहा है। इसका प्रभाव आखिरकार इंसानों पर पड़ रहा है। इसलिए इंसानों को बचाना है, तो इस समस्या के समाधान के लिए सभी को आगे आना चाहिए। नेताओं व सत्ता में बैठे लोगों को इसमें विशेष भूमिका निभानी चाहिए।

राहुल गांधी ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन दिया कि वह संसद में इस मुद्दे को उठाएंगे और नागरिकों और पर्यावरण के स्वास्थ्य और कल्याण को प्राथमिकता देते हुए उनकी मांगों पर त्वरित कार्रवाई की वकालत करेंगे। उन्होंने कहा कि प्रदूषण की समस्या बहुत गंभीर है। इससे हर आदमी प्रभावित है। इससे लोगों का स्वास्थ्य खराब हो रहा है। वायु प्रदूषण से विशेषकर बच्चों व बुजुर्गों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। इसलिए हम सबकी जिम्मेदारी है कि इस समस्या के समाधान को प्राथमिकता के आधार पर हल किया जाए।

हिमाचल प्रदेश मंत्रिमंडल की बैठक 12 दिसंबर को होंगे कई अहम फैसले

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिमला। हिमाचल प्रदेश मंत्रिमंडल की बैठक 12 दिसंबर को सुबह 11 बजे राज्य सचिवालय में बुलाई गई है। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू की अध्यक्षता में होने वाली बैठक में कई अहम फैसले होंगे।

बैठक में भोटा अस्पताल का हस्तांतरण इसकी सहयोगी संस्था को करने के मामले में लैंड सीलिंग एक्ट के प्रावधानों के सरलीकरण के लिए विधेयक लाने पर चर्चा होगी। इसके अलावा शीत सत्र की तैयारियों पर भी मंत्रणा के साथ विभिन्न विभागों में रिक्तियां भरने पर भी निर्णय हो सकते हैं।

गोमती नगर बनता जा रहा है हादसों का नगर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। गोमती नगर से 1090 की ओर से स्कूटी सवार अभिराज सोनकर 22 वर्षीय युवक कैसरबाग अपने घर की ओर जा रहा था तभी अचानक चार पहिया वाहन ने स्कूटी सवार युवक को ठोकर मार दी जिसके बाद स्थानीय लोगों ने थाना गौतमपल्ली पुलिस को सूचना दी जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस घायल युवक को सिविल हॉस्पिटल लेकर आयी जहां डॉक्टरों ने इलाज के दौरान युवक को मृत घोषित कर दिया।

मृतक अभिराज सोनकर की 22 वर्षीय अभिराज सोनकर डीजे और लाइट लगाने का काम करता था परिवार का अकेला चिराग था घर को रौशन करने वाला जो सड़क हादसे में जान चली गई डॉक्टरों का कहना है कि मल्टीइंजरी थी और ब्लड लॉस को मौत का कारण बताया जा रहा है।

वहीं जब इस मामले पर गौतमपल्ली पुलिस से बात की गई तो पुलिस ने बताया कि स्कूटी सवार किसी अज्ञात चार पहिया वाहन के ओवरटेकिंग के चलते माना जा रहा है वहीं अभिराज सोनकर को टक्कर मारी गई इसकी सूचना मिलते ही मौके पर पुलिस पहुंची पुलिस ने घायल युवक को सिविल अस्पताल पहुंचाया जहां युवक को मृत घोषित कर दिया गया इसके बाद युवक के मोबाइल द्वारा परिजनों को सूचना दी गई जिससे यह जानकारी मिल सकी की 22 वर्षीय अभिराज सोनकर कैसरबाग कोतवाली के पीछे लक्ष्मण हाता का निवासी है मृतक के परिवार में माता-पिता और एक बहन है।

दोस्तों से मिली जानकारी

एमिटी कैंपस के पास स्थित एक कैफे गया था दोस्तों से मिलने सभी दोस्त अपनी अपनी चार पहिया कार से निकल गए अभिराज ने अपने एक दोस्त से स्कूटी की चाभी मांगी जिसे लेकर वो वहां से अकेला आ रहा था जिसका गोमती पुल पर एक्सीडेंट हो गया।

चिन्मय कृष्ण की गिरफ्तारी पर भड़काऊ भाषण देकर बुरे फंसे केएस ईश्वरप्पा

» पूर्व उपमुख्यमंत्री के खिलाफ कोटे पुलिस स्टेशन में दर्ज किया गया मामला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बंगलुरु। कर्नाटक के शिमोगा में मथुरा पैराडाइस के सामने चिन्मय कृष्णदास की गिरफ्तारी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के दौरान भड़काऊ भाषण देने के आरोप में पूर्व उपमुख्यमंत्री केएस ईश्वरप्पा के खिलाफ कोटे पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है।

बता दें कि बांग्लादेश इस्कॉन के पुजारी चिन्मय दास को देशद्रोह के मामले में गिरफ्तार किया गया था। एक अदालत ने उन्हें जमानत देने से इनकार कर दिया था, जिसके बाद ढाका और चटगांव समेत कई स्थानों पर अल्पसंख्यक समुदाय के सदस्यों ने विरोध प्रदर्शन शुरू किया।

बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार के पतन के बाद ही हिंदुओं को निशाना बनाया जा रहा है। उपद्रवी कभी मंदिरों तो कभी उनके घरों को नुकसान पहुंचा रहे हैं। चिन्मय कृष्णदास की गिरफ्तारी के बाद से यहां लगातार तनाव जारी है। चिन्मय दास का बचाव करने वाले वकील रामेन रॉय पर क्रूरतापूर्वक हमला किया गया, जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गए।

नए तेवर में सधी चाल चल रहे केजरीवाल!

प्रधानमंत्री मोदी की जगह गृहमंत्री शाह पर हमलावर

- अभी से शुरू की दिल्ली विस चुनावों की तैयारियां
- भाजपा व कांग्रेस के नेताओं का आप में आने का सिलसिला जारी
- शराब घोटाले के दाग भी बन रहे हैं चुनौती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। अपनी अलग तरह की राजनीति के लिए जाने जाने वाले आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली में अपनी सत्ता को बरकरार रखने के लिए चुनावी बिगुल फूंक दिया है। आम आदमी पार्टी विधानसभा चुनावों से लगभग 3 महीने पहले ही अपने 11 प्रत्याशियों का भी ऐलान कर चुकी है। साथ ही चुनावी रणनीति बनाने में भी अरविंद केजरीवाव लगातार लगे हुए हैं। वो लगातार अपने विधायकों, पार्षदों और कार्यकर्ताओं के साथ बैठकें कर रहे हैं और उन्हें नए-नए टास्क भी दे रहे हैं, कहीं न कहीं अरविंद केजरीवाल ये जानते हैं कि इस बार सत्ता की राह उनके लिए पिछले चुनावों जितनी आसान नहीं है, इसलिए उन्होंने सबसे पहले अपने चुनावी अस्त्र निकालने शुरू कर दिए हैं और विरोधियों को निशाना बनाना भी शुरू कर दिया है, इस बार अरविंद केजरीवाल काफी एक्टिव और एक अलग मोड में नजर आ रहे हैं, इस बार हालात भी पिछली बार से कई मायनों में अलग हैं, इस बार अरविंद केजरीवाल चुनावों में बतौर मुख्यमंत्री नहीं बल्कि बतौर आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक के उतर रहे हैं।

इस बार आम आदमी पार्टी के दामन पर कथित शराब घोटाले का भी दाग है, यही नहीं अब तक आंदोलनकारी और खुद को स्वच्छ छवि वाला कहने वाले अरविंद केजरीवाल अब जेल भी जा चुके हैं, साथ ही उनके कई नेताओं के दामन पर शराब घोटाले का दाग है और वो जेल की हवा भी खा चुके हैं, यही कारण है कि अबकी केजरीवाल ज्यादा एक्टिव दिख रहे हैं और पहले से ही अपने लिए माहौल बनाने का प्रयास कर रहे हैं.. इस बार अरविंद केजरीवाल की रणनीति में एक नया बदलाव भी देखने को मिल रहा है, एक ओर जहां पूरा विपक्ष प्रधानमंत्री मोदी को लेकर हमलावर रहता है और उन पर निशाना साधता रहता है लेकिन अरविंद केजरीवाल बाकी विपक्ष से इतर अपनी एक अलग रणनीति के साथ आगे बढ़ रहे हैं, केजरीवाल पीएम मोदी पर कम निशाना साध रहे हैं या यूं कहें कि पीएम मोदी पर हमला बोलने से बच रहे हैं, जबकि पीएम मोदी की बजाय केजरीवाल देश के गृह मंत्री और भाजपा के कथित चाणक्य अमित शाह पर ज्यादा हमलावर दिख रहे हैं, चुनावी मोड में आने के बाद से केजरीवाल लगातार अमित शाह को निशाना बना रहे हैं और प्रदेश की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर देश के गृह मंत्री को लपेटे में ले रहे हैं.. क्योंकि दिल्ली की सुरक्षा की जिम्मेदारी भी गृह मंत्रालय के पास ही होती है.. इसलिए केजरीवाल लगातार अमित शाह पर हमलावर बने हुए हैं.. दिल्ली की कानून व्यवस्था को लेकर अरविंद केजरीवाल लगातार गृह मंत्रालय और गृह मंत्री अमित शाह पर निशाना साध रहे हैं और सवाल खड़े कर रहे हैं।

बांग्लादेश का मुद्दा भी उठा रहे

चुनावी माहौल को देखते हुए अरविंद केजरीवाल बांग्लादेश का मुद्दा भी वैसे ही उठा रहे हैं जैसे गुजरात विधानसभा चुनाव में रुपये की वैल्यू बढ़ाने के लिए नोटों पर लक्ष्मी-गणेश की तस्वीरें डाले जाने जैसे सुझाव दे रहे थे.. केजरीवाल का कहना है कि बांग्लादेश में गिरफ्तार किए गए संत चिन्मय कृष्ण दास जी के साथ पूरा देश एकजुटता के साथ खड़ा है.. मैं केंद्र सरकार से अपील करता हूं कि इस मामले में हस्तक्षेप करके चिन्मय दास जी को जल्द से जल्द मुक्त कराये.. हाल ही में दिल्ली के प्रशांत विहार इलाके में हुए धमाके को लेकर भी केजरीवाल ने गृह मंत्री अमित शाह को निशाने पर लिया.. इससे लगभग एक महीने पहले ही सीआरपीएफ स्कूल के पास भी एक धमाका हुआ था.. जिसके बाद ये दूसरा धमाका है.. केजरीवाल ने प्रशांत विहार की घटना को लेकर भी कानून व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए अमित शाह को घेरा। केजरीवाल ने सोशल मीडिया पर लिखा कि कृपया नींद से जागिए और अपनी जिम्मेदारी निभाइए।

निशाने पर दिल्ली की कानून व्यवस्था

पिछले कुछ दिनों से केजरीवाल विधानसभा से लेकर सोशल मीडिया और सड़क तक अमित शाह को ही निशाना बना रहे हैं, केजरीवाल ने दिल्ली की कानून व्यवस्था को सबसे बड़ा मुद्दा बनाया है और उसको लेकर वो लगातार गृह मंत्री अमित शाह को ही निशाना बना रहे हैं.. क्योंकि दिल्ली की कानून व्यवस्था गृह मंत्रालय के ही अधीन आती है.. इसलिए केजरीवाल सिर्फ और सिर्फ अमित शाह को निशाने पर ले रहे हैं.. अगर हम अरविंद केजरीवाल के सोशल मीडिया अकाउंट एक्स को देखें तो वहां पर सिर्फ आपको दिल्ली में हो रहीं आपराधिक घटनाओं को लेकर अमित शाह पर हमला ही दिखेगा.. केजरीवाल अलग-अलग इलाकों में हो रही घटनाओं की खबर को लेकर अमित शाह पर लगातार निशाना साध रहे हैं और दिल्ली बदहाल कानून व्यवस्था पर सवाल उठा रहे हैं.. जेल में बंद गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई को लेकर भी केजरीवाल ने भाजपा और अमित शाह पर निशाना साधा था.. केजरीवाल का दावा है कि लॉरेंस बिश्नोई को बीजेपी का संरक्षण मिला हुआ है.. आए दिन केजरीवाल अमित शाह पर गंभीर से गंभीर आरोप लगा रहे हैं और उन्हें ही निशाना बना रहे हैं।

पहले भी पीएम का नाम लेने से बचते रहे

नाम लेकर प्रधानमंत्री मोदी को टार्गेट करने से बचने की ये रणनीति पहले भी देखी जा चुकी है.. 2020 के दिल्ली विधानसभा चुनाव के काफी पहले से ही अरविंद केजरीवाल ने प्रधानमंत्री मोदी का नाम लेना लगभग बंद कर दिया था.. 2019 से लेकर 2022 के आखिर तक अरविंद केजरीवाल को चुनावी रैलियों से लेकर सोशल मीडिया तक, हर जगह मोदी का नाम लेने से बचते महसूस किया गया था.. तब ये माना गया था कि लोकसभा चुनाव में मोदी पर हमले को लेकर लोग नाराज न हो जायें, इसलिए अरविंद केजरीवाल परहेज कर रहे थे.. अब एक बार फिर केजरीवाल अपनी उसी रणनीति पर आगे बढ़ते दिखाई पड़ रहे हैं। इससे पहले जून 2023 में रामलीला मैदान की रैली में अरविंद केजरीवाल ने चौथी पास एक राजा की कहानी सुनाई थी.. जिसमें उनके निशाने पर प्रधानमंत्री मोदी ही थे.. लेकिन लोकसभा चुनाव के दौरान एक बार फिर केजरीवाल ने पीएम मोदी पर उतना खुला हमला नहीं बोला.. हालांकि, जेल से बाहर आने के बाद उन्होंने जरूर पीएम मोदी को निशाने पर लिया था.. लेकिन उसके बाद से अब जबसे उन्होंने दिल्ली विधानसभा चुनावों के लिए हुंकार भरी है, तबसे फिर से उन्होंने पीएम मोदी के नाम से दूरी बनानी शुरू कर दी है। फिलहाल इतना तो साफ है कि अरविंद केजरीवाल और आम आदमी पार्टी एक सोची-समझी रणनीति के तहत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम से परहेज कर रहे हैं और अमित शाह को निशाने पर ले रहे हैं.. अब इससे आम आदमी पार्टी को कितना लाभ होता है, ये देखने वाली बात होगी।

बड़े नेताओं का आप में आना जारी

दिल्ली में आगामी विधानसभा चुनाव से पहले आम आदमी पार्टी चुनाव की तैयारियों में जुटी हुई है। कई बड़े नेताओं को अपने पाले में करने में आप पार्टी लगी हुइ है। भाजपा, कांग्रेस व सामाजिक क्षेत्र के नामीगिरामी लोगों को अपने साथ जोड़ रही । हाल ही कांग्रेस कई नेता आप में शामिल हुए। कोचिंग पढ़ाने वाले अवधेश ओझा सहित अपने-अपने क्षेत्रों के दिग्गज को अपनी साथ जोड़ लिया है। वहीं एक बार फिर भाजपा को दिल्ली में आप ने बड़ा झटका दिया है। अरविंद केजरीवाल के कामों से प्रभावित होकर जाटव समाज के बड़े नेता प्रवेश रत्न आम आदमी पार्टी में शामिल हो गए हैं। मनीष सिसोदिया ने उन्हें पार्टी की सदस्यता दिलाई। आप के बड़े नेता मनीष सिसोदिया ने प्रवेश रत्न के आप में शामिल होने पर कहा कि समस्त जाटव समाज आम आदमी पार्टी के साथ है। आप सरकार के कामों से जाटव, दलित और एससी समाज के परिवारों को काफी लाभ हुआ है। उनकी जीवनशैली में बड़ा बदलाव आया है। आज अरविंद केजरीवाल के कामों से प्रभावित होकर भाजपा नेता प्रवेश रत्न आम आदमी पार्टी में शामिल हो गए। मैं उनका स्वागत करता हूं। आम आदमी पार्टी में शामिल होने के बाद प्रवेश रत्न ने कहा कि केजरीवाल की छह रेवड़ियों से जाटव समाज को लाभ हुआ है। उधर दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष और आप विधायक राम निवास गोयल ने गुरुवार को चुनावी राजनीति से संन्यास की घोषणा कर दी है। उन्होंने आम आमदी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल को पत्र लिखकर कहा कि वह अब अपनी उम्र के कारण चुनावी राजनीति से दूर रहना चाहते हैं। हालांकि वह पार्टी के कार्यों में आगे भी सहभागिता जारी रखना चाहते हैं। ज्ञात हो कि दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने विधानसभा में दिल्ली की कानून व्यवस्था का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि दिल्ली की कानून व्यवस्था बदतर हो चुकी हैं। दिल्ली पर अपराधियों का कब्जा है। यहां जगह-जगह पर नशा बिक रहा है। सरेआम मर्डर हो रहे हैं। सरेआम शूटआउट हो रहे हैं। महिलाओं से दुष्कर्म हो रहे हैं। भाजपा इसपर चुप है। जब इनसे पूछा जाए तो कहते हैं कि क्राइम मुद्दा ही नहीं है। केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली में महिलाएं असुरक्षित हैं। गैंगस्टर व्यापारियों की दुकानों पर गोलियां बरसा रहे हैं। भाजपा को यह नहीं दिखता, कहते हैं अपराध दिल्ली में कोई मुद्दा नहीं हैं।

चुनावों से पहले आप के 'पितामह' ने किया संन्यास का ऐलान

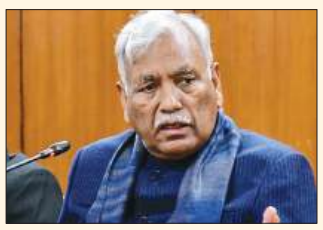

चुनाव से पहले आम आदमी पार्टी और अरविंद केजरीवाल को एक झटका लगा है। दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष और आप विधायक राम निवास गोयल ने बीते दिन चुनावी राजनीति से संन्यास की घोषणा कर दी। उन्होंने आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल को पत्र लिखकर कहा कि वह अब अपनी उम्र के कारण चुनावी राजनीति से दूर रहना चाहते हैं। हालांकि, वह पार्टी के कार्यों में आगे भी सहभागिता जारी रखना चाहते हैं। राम निवास गोयल के संन्यास पर पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि मैं राम निवास गोयल का बहुत सम्मान करता हूं। वे मेरे बहुत करीब हैं। हमारी पार्टी उन्हें पितामह के रूप में देखती है। जब भी हमें जरूरत पड़ी, हमने उनका मार्गदर्शन लिया। कुछ दिन पहले मुझे उनका पत्र मिला, मैंने उन्हें अपना विचार बदलने के लिए मनाने की कोशिश की, लेकिन उन्होंने कहा कि अब उनकी उम्र काफी हो गई है और उनकी सेहत भी खराब हो रही है। इसलिए वे पार्टी के साथ रहेंगे और प्रचार भी करेंगे, समय-समय पर हमारा मार्गदर्शन भी करेंगे, लेकिन उन्होंने चुनाव न लड़ने का फैसला किया है। हम उनके फैसले का सम्मान करते हैं। केजरीवाल को संबोधित पत्र में राम निवास गोयल ने लिखा कि मैं विनम्रतापूर्वक अवगत कराना चाहता हूं कि पिछले 10 वर्षों से शहादरा विधानसभा के विधायक एवं विधानसभा अध्यक्ष के रूप में मैंने अपना दायित्व निभाया है। आपने मुझे हमेशा बहुत सम्मान दिया है जिसके लिए में सदा आपका आभारी रहूंगा। अपनी आयु के कारणों से स्वयं को चुनावी राजनीति से अलग करना चाहता हूं।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

विकास दर कम होने से अर्थ पर पड़ेगा असर !

वकास दर कम होने से देश की अर्थव्यस्था भी प्रभावित होती है। हालांकि सरकार ने कहा ऐस कुछ नही है देश की आर्थिकी सही रास्त पर है। उधर इसको लेकर सरकार पर विपक्ष ने भी प्रहार किया है। गौरतलब हो कि समय-समय पर बैंकिंग में अच्छे कामों का महिमामंडन करती है। वहीं कुछ ऐसी खबरें आ रही हैं जो आम आदमी के लिए तो बुरी है ही सरकार के लिए भी परेशानी बढ़ाने वाली हैं।

देश में एक तरफ तो सरकार आर्थिक व्यवस्था मजबूत होने की बात करती है तो दूसरी तरफ उसके ही विभाग के आंकड़े कुछ और कह रहे हैं हैं । सांख्यिकी संगठन के अुनसार इस वर्ष विकास दर कम रहने के संभावना है। विकास दर कम होने से देश की अर्थव्यस्था भी प्रभावित होती है। हालांकि सरकार ने कहा ऐस कुछ नही है देश की आर्थिकी सही रास्त पर है। उधर इसको लेकर सरकार पर विपक्ष ने भी प्रहार किया है। गौरतलब हो कि समय-समय पर बैंकिंग में अच्छे कामों का महिमामंडन करती है। वहीं कुछ ऐसी खबरें आ रही हैं जो आम आदमी के लिए तो बुरी है ही सरकार के लिए भी परेशानी बढ़ाने वाली हैं। पहली खबर तो यह थी कि बैंकों ने न्यूनतम वैलेंस के नाम पर दंड स्वरूप गरीब खाते धारकों से लगभग साढ़े आठ हजार करोड़ रुपये वसूल लिए। दूसरी खबर ये है कि पिछले सात-आठ सालों में घरेलू बचत में भारत के लोगों की रूचि कम हुई है। इसी के मददे नजर वित्तमंत्री ने बैंको से अच्छी व लोक लुभावनी योजनाएं चालू करने की बात कही है।

वाकई दोनो ही खबरें हैरान करने वाली हैं। इनपर सरकार को गंभीरता से विचार करना होगा। क्योंकि इस तरह की योजनाओं से ही देश का कैश अनुपात सही रहता है। दरअसल, देश में घटती हुई घरेलू बचत के खतरे को भांपते हुए पिछले दिनों केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रिजर्व बैंक के निदेशक मंडल की बैठक में कहा कि बैंकों द्वारा ऐसी आकर्षक ब्याज योजनाएं लाई जानी चाहिए, जिससे उनमें जमा राशि में तेज इजाफा हो सके। चूंकि केंद्र सरकार अपने राजकोषीय घाटे को पाटने के लिए लघु बचत योजनाओं के तहत संग्रह राशि का भी उपयोग करती है, इसलिए घरेलू बचत में लगातार कमी आना चिंताजनक है। इस घरेलू बचत को बैंक और गैर बैंक जमा, जीवन बीमा, राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र (एनएससी), लोक भविष्य निधि (पीपीएफ), किसान विकास पत्र, सुकन्या समृद्धि, पेंशन निधि तथा अन्य वित्तीय योजनाओं में निवेश किया जाता है। यदि हम देश में घरेलू बचत संबंधी आंकड़ों को देखें तो पाते हैं कि जो घरेलू बचत वित्त वर्ष 2006-07 में सकल घरेलू उत्पाद यानी जीडीपी का 18 प्रतिशत थी, वह प्रतिवर्ष घटते हुए 2022-23 में जीडीपी के 5.2 प्रतिशत के स्तर पर आ गई। यह पिछले पांच दशक में सबसे कम स्तर पर है। देश में लोग कमाई का एक हिस्सा भविष्य के लिए घरेलू बचत के रूप में बचाकर रखते रहे हैं, लेकिन अब इस बचत की प्रवृत्ति में बड़ा बदलाव दिखाई दे रहा है। लोग आवास, वाहन, शिक्षा तथा अच्छे जीवन के लिए विभिन्न प्रकार के कर्ज लगातार ले रहे हैं। जहां परिवारों की वित्तीय देनदारियां बढ़ने से घरेलू बचत सीधे तौर पर कम हुई है, वहीं आय के एक हिस्से का इस्तेमाल विभिन्न प्रकार के ऋणों के ब्याज के भुगतान के लिए भी किए जाने से घरेलू बचत कम हुई है। अब इसे बढ़ाना जरूरी है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

ईमानदार कोशिश हो बांग्लादेश संकट समाधान की

पुष्परंजन

अगरतला स्थित बांग्लादेश वाणिज्य दूतावास पर तोड़फोड़ की घटना ने तूल पकड़ लिया है। दूतावास परिसर में प्रदर्शन, गेट तोड़ने, और झंडे का अपमान कोई भी सभ्य समाज नहीं सराहेगा। पीटीआई के अनुसार, '2 दिसंबर को अगरतला में बांग्लादेश मिशन के परिसर में कथित तौर पर 50 से अधिक प्रदर्शनकारियों ने प्रवेश किया, जिससे परिसर में मौजूद लोगों में चिंता पैदा हो गई। यह रैली विश्व हिंदू परिषद से संबद्ध हिंदू संघर्ष समिति के बैनर तले निकाली गई। चिन्मय कृष्ण ब्रह्मचारी की रिहाई, और हिन्दुओं की सुरक्षा जैसी मांगों को लेकर अगरतला में बांग्लादेश के सहायक उच्चायुक्त आरिफ मोहम्मद को एक ज्ञापन सौंपा गया।' पीटीआई की रिपोर्ट से लगा नहीं, कि तोड़फोड़ की कोई घटना हुई।

जब ऐसा कुछ हुआ नहीं, तो 13 लोगों की गिरफ्तारी, असिस्टेंट कमांडेंट और तीन सब इंस्पेक्टर सस्पेंड क्यों हुए, और इसके प्रकारांतर भारतीय विदेश मंत्रालय को खेद क्यों प्रकट करना पड़ा? विदेश मंत्रालय के बयान में कहा गया, 'अगरतला में बांग्लादेश के सहायक उच्चायोग में परिसर में घुसपैठ की घटना बेहद खेदजनक है। भारत सरकार नई दिल्ली में बांग्लादेश उच्चायोग और देश के अन्य मिशनों की सुरक्षा बढ़ाने के लिए कार्रवाई कर रही है।' बांग्लादेश इस खेद प्रकाश से शांत नहीं हुआ है। ढाका में भारतीय उच्चायुक्त को बुलाकर विरोध जताना और अगरतला स्थित बांग्लादेश मिशन को बंद कर, इस चिंगारी को भड़काने की कवायद शुरू हो गई है। बीएनपी के वरिष्ठ संयुक्त महासचिव रूहुल कबीर रिजवी ने अंतरिम सरकार से आग्रह किया कि वह अगरतला स्थित बांग्लादेश मिशन की सुरक्षा के लिए संयुक्त राष्ट्र शांति सेना से सहायता मांगे। ऐसा लगता है, मानो उन्हें हमारी ओर से एक गलती होने का इंतजार था। लेकिन कोलकाता में जो कुछ हो रहा है, उससे दोनों मुल्कों में डैमेज कंट्रोल की बात बेमानी हो गई। क्या बांग्लादेशी मरीजों का इलाज रोकना मानवाधिकार हनन की श्रेणी में नहीं आता है?

बांग्लादेश में सूचना-प्रसारण प्रभार एक ऐसे छात्र नेता के हाथों में है, जो शेख हसीना को देश से भगाने की श्लाघा को पचा नहीं पा रहा है। नाहिद इस्लाम लगातार भारत पर निशाना साधते रहे हैं, कि वह 'विभाजनकारी राजनीति और बांग्लादेश विरोधी बयानबाजी में लगा हुआ है। भारत का सत्तारूढ़ वर्ग

अल्पसंख्यक विरोधी है।' नाहिद में नकारात्मकता इतनी ज्यादा है, कि ऐसे शख्स से डैमेज कंट्रोल की आशा नहीं की जा सकती। लेकिन, क्या बांग्लादेश का मीडिया सहनशील, और संयमित है? क्या फर्जी खबरें वहां प्लांट नहीं की जा रहीं? पत्रकार यदि बहुसंख्यक की तानाशाही के विरुद्ध रिपोर्ट लिखें, देखिये उनका क्या हाल होता है। गुलाम रब्बानी नदीम इस साल बांग्लादेश में मारे जाने वाले दूसरे पत्रकार हैं। बांग्लादेश में ब्लॉगर्स की हत्या तो अनगिनत है। पत्रकारों को चुप कराने के लिए 'डिजिटल सुरक्षा कानून-2018' है, जिसके तहत 14 साल तक की जेल हो सकती है। इसलिए, संपादक कारावास या अपने मीडिया आउटलेट के बंद होने का जोखिम उठाने से हिचकते हैं। बांग्लादेश में सिस्टम के खिलाफ कितनी रिपोर्टें छपती हैं? आप डेली स्टार, और दूसरे अखबारों की रिपोर्टिंग का आकलन कर लीजिये। यही अखबार भारतीय मीडिया पर सवाल उठाकर अपना 'नंबर' बना रहे हैं। बांग्लादेश में प्रेस की आजादी, 'रिपोर्ट्स विदाउट बॉर्डर' की हालिया रिपोर्ट में देख सकते हैं। 2024 के सूचकांक में 165वें पोजिशन पर है बांग्लादेश। भारत उससे छह कदम पीछे, 159वें पायदान पर है। श्रीलंका 150वें, दक्षिण एशिया में सबसे बदतर अफगानिस्तान 178वें स्थान पर, नेपाल सबसे बेहतर 74वें स्थान पर दिखता है। 'द डेली स्टार' लगातार भारतीय मीडिया पर सवाल उठा रहा है। सही है, उठाना भी चाहिए। लेकिन, खुद के बहत्तर छेद भी पहले बांग्लादेशी मीडिया को देख लेना चाहिए। इससे हो यही रहा है, कि दोनों देश एक अघोषित मीडिया वॉर में फंस चुके हैं। आगे यह कितना विकृत रूप लेगा, कहना कठिन है।

अगस्त, 2020 में अमेरिका के मेरीलैंड यूनिवर्सिटी ने बांग्लादेश में फर्जी सूचना देने वाले मीडिया पर एक शोध कराया। शोध पत्र दिलचस्प है। लिखा है, 'सरकार के खिलाफ इन्वेस्टिगेशन करने की हिम्मत पत्रकार नहीं करते। नेता गलत सूचना और नफरत भरे भाषणों को फैलाकर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का दुरुपयोग कर रहे हैं। भारत और म्यांमार, बांग्लादेश के बीच एक सामान्य आयाम, धर्म है। बांग्लादेश- इस्लाम 90 फीसद, भारत- हिंदू धर्म 80 प्रतिशत, म्यांमार-बौद्ध धर्म 88 प्रतिशत। इन सभी देशों में, धार्मिक अल्पसंख्यक अक्सर गलत सूचनाओं की वजह से टारगेट किये जाते हैं।' चार साल में वो स्थिति बदली नहीं है। बल्कि, और बदतर हुई है।

ब्रिक्स देशों की पहल से बढ़ी अमेरिकी बेचैनी

एक ओर किंम जोंग के सख्त तेवर तो दूसरी ओर यूक्रेन और रूस जंग। वहीं ताइवान और फिलीपींस में चीन का दखल, तो तेहरान के तीखे स्वर। मिडिल ईस्ट में एक और नयी जंग की संभावना से रूस और अमेरिका के बीच संभावित प्रॉक्सी वॉर की आहट भी क्योंकि यहां पिछले दिनों अमेरिका समर्थित आतंकवादी समूह ने देश के दूसरे बड़े शहर अलेप्पो पर कब्जा कर लिया है।

ऋतुपर्ण दवे

अभी अमेरिका में नए राष्ट्रपति के रूप में ट्रम्प ने शपथ नहीं ली है। लेकिन तेवर इतने घबराए हुए और अलग से हैं कि सारी दुनिया की निगाहों में हैं। वैसे भी अपनी निजी जिन्दगी में ट्रम्प को लेकर किस्से-कहानियां कम नहीं हैं। ऐसा नहीं है कि ट्रम्प से पहले चुनौतियां नहीं हैं। शपथ से पहले ही बड़ी-बड़ी चुनौतियों का अंबार है। एक ओर किंम जोंग के सख्त तेवर तो दूसरी ओर यूक्रेन और रूस जंग। वहीं ताइवान और फिलीपींस में चीन का दखल, तो तेहरान के तीखे स्वर। मिडिल ईस्ट में एक और नयी जंग की संभावना से रूस और अमेरिका के बीच संभावित प्रॉक्सी वॉर की आहट भी क्योंकि यहां पिछले दिनों अमेरिका समर्थित आतंकवादी समूह ने देश के दूसरे बड़े शहर अलेप्पो पर कब्जा कर लिया है।

यह सभी डोनाल्ड ट्रंप के कार्यकाल के लिए मुश्किलों से ज्यादा कुछ नहीं होगा। इन चुनौतियों के बावजूद ट्रम्प की हालिया चेतावनी भी कुछ बड़ा संकेत दे रही है। उन्होंने भारत, चीन समेत ब्रिक्स देशों को सीधे-सीधे धमकी भी दे दी है। डॉलर का विकल्प तलाशने की कोशिश करने वाले देशों पर 100 प्रतिशत आयात शुल्क लगाने की चेतावनी बताती है कि अमेरिका डॉलर के विकल्प को लेकर खासा चिंतित है। ट्रम्प ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा है कि डॉलर से दूर होने की ब्रिक्स देशों की कोशिश में वो मूकदर्शक बने रहें ऐसा नहीं होगा क्योंकि यह दौर अब खत्म हो गया है। इतना ही नहीं उन्होंने लिखा है कि हमें इन देशों से प्रतिबद्धता की जरूरत है कि वे न तो कोई नई ब्रिक्स मुद्रा बनाएंगे, न ही ताकतवर अमेरिकी डॉलर की जगह लेने के लिए कोई अन्य मुद्रा का समर्थन करेंगे। यह ट्रम्प का डर है। यदि ब्रिक्स देश ऐसा करेंगे तो उन्हें बेहतरीन अमेरिकी अर्थव्यवस्था में अपने उत्पाद बेचने को विदा कहना होगा। निश्चित रूप से डोनॉल्ड ट्रम्प की यह धमकी हल्की नहीं है और न ही इसे उनकी तुनक मिजाजी कहा जा सकता है। यह बहुत ही सोची-समझी रणनीतिक सोच है।

ध्यान देना होगा कि 30 अक्टूबर को यूक्रेन में रूस के युद्ध प्रयासों में मदद करने के आरोप में 19 भारतीय कंपनियों और दो भारतीय नागरिकों सहित करीब 400 कंपनियों और व्यक्तियों पर पहले ही अमेरिका ने प्रतिबंध लगा रखा है। ऐसा पहली बार नहीं है कि अमेरिका ने भारतीय कंपनियों को निशाना बनाया हो। नवंबर, 2023 में भी एक भारतीय कंपनी रूस की सेना को मदद के आरोप में प्रतिबंधित हुई थी। ट्रम्प की इस धमकी के मायने गहरे हैं। श्रीलंका का उदाहरण सामने है। वहीं उनका यह ऐलान कि अमेरिकी डॉलर पर निर्भरता छोड़ना, विकासशील देशों के साथ एक तरह से आर्थिक युद्ध ही होगा।

इधर आंकड़े बताते हैं कि विश्व में 62 प्रतिशत अंतर्राष्ट्रीय ऋण अमेरिकी डॉलर मे हैं तो वैश्विक लेन-देन भी अमेरिकी डॉलर में हैं जो 88 प्रतिशत है। डोनॉल्ड ट्रम्प की मंशा कहें या एकाधिकार या दादागीरी कुछ भी वह अमेरिकी अर्थव्यवस्था की जड़ों को किसी भी कीमत पर कमजोर या चुनौती से गुजरते नहीं देखना चाहते। साल 2006 में ब्राजील, रूस, भारत, चीन को मिलाकर ब्रिक्स समूह बना। साल 2010 में इसमें दक्षिण अफ्रीका शामिल हुआ। सभी देशों के अंग्रेजी के पहले अक्षर को लेकर ब्रिक्स बना। इस समूह के गठन का उद्देश्य ही दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण विकासशील देशों को एकसाथ लाना था। इसके पीछे मंशा साफ थी कि उत्तरी अमेरिका और पश्चिमी यूरोप के रईस देशों की राजनीतिक और आर्थिक ताकत को चुनौती दी जा सके। इस समूह की बढ़ती ताकत निश्चित रूप से दुनिया के दारोगा को चुभ रही होगी। इसी साल की शुरुआत में मिस्र, इथियोपिया, ईरान, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात के साथ आने से दुनिया को ब्रिक्स समूह की ताकत का अहसास होने लगा था। कहां इस समूह का नाम ब्रिक्स प्लस करने की चर्चाएं जोरों पर थीं कि ट्रम्प की धमकी सामने आ गई। मौजूदा ब्रिक्स समूह की संयुक्त जनसंख्या फिलहाल 3.5 अरब है जो दुनिया की कुल जनसंख्या का 45 प्रतिशत है। यदि संयुक्त अर्थव्यवस्था की बात करें तो 28.5 लाख करोड़ डॉलर की हैसियत है जो दुनिया की अर्थव्यवस्था का 28 प्रतिशत है।

ट्रंप की नाराजगी की वजह समझ आती है क्योंकि इसी साल अक्टूबर में रूस के कजान में हुए ब्रिक्स सम्मेलन व्यापार के लिए न केवल डॉलर की वैकल्पिक करेंसी की बात हुई बल्कि एक प्रतीकात्मक ब्रिक्स बैंक नोट का अनावरण भी हुआ। इस बैंक नोट पर ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका के झंडे भी हैं। निश्चित रूप से इसे ही सीधे-सीधे अमेरिकी डॉलर के लिए बड़ी चुनौती माना जा रहा होगा। ऐसे में ट्रम्प को नए कार्यकाल में इससे अकल्पनीय आर्थिक चुनौतियां भी झलकने लगी होंगी जिससे उनकी चिंता और बढ़ी होगी। फिलहाल डॉलर ही वो मुद्रा है जो विश्व के लगभग 58 प्रतिशत विदेशी मुद्रा भंडार की प्रतिनिधि है तथा तेल जैसी प्रमुख वस्तुओं के व्यापार का अहम हिस्सा है। ट्रम्प को लगता होगा कि इससे अमेरिका का आर्थिक तिलिस्म टूट जाएगा।

बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास को बढ़ाएंगे ये योगासन

बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए शिक्षा एक मार्ग की तरह है। शिक्षा प्राप्त करने बच्चे स्कूल जाते हैं। स्कूल में बच्चों को हर दिशा में निपुण बनाने के लिए कई विषयों के बारे में पढ़ाया जाता है। अक्सर बच्चे किसी विषय में कमजोर होते हैं, जिस पर उन्हें अधिक ध्यान लगाने की जरूरत होती है। वहीं कई छात्र प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे होते हैं, जिसके लिए वह घंटे पढ़ाई करते हैं। हालांकि घंटों बैठकर पढ़ने से अक्सर बच्चों को अनिद्रा, आंखों में जलन, सिर दर्द या शरीर दर्द जैसी समस्या भी होने लगती हैं। पढ़ाई में ध्यान केंद्रित न होने पाने की शिकायत भी आम है। अगर आपका बच्चा भी स्कूल व कोचिंग की घंटो क्लास लेता है, या अपने कमरे में बैठकर घंटों पढ़ाई करता है, तो उसके मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर इसका असर पड़ सकता है। बच्चे को शारीरिक तौर पर सक्रिय रहने की भी जरूरत होती है और मस्तिष्क को आराम देना भी जरूरी होती है। ऐसे में कुछ योगासनों को बच्चों से कराना जरूरी है।

सर्वांगासन

एक ही स्थान पर बैठकर घंटों पढ़ाई करने से शारीरिक सक्रियता कम होने लगती है। गलत पोजीशन में बैठकर पढ़ने या सिर झुकाकर पढ़ाई करने से पीठ व गर्दन में दर्द की समस्या हो जाती है। लगातार बैठे रहने के बजाए बीच में उठकर कुछ देर पैदल चलना चाहिए। साथ ही शारीरिक सक्रियता के लिए सर्वांगासन योग का अभ्यास कर सकते हैं। इस योग से हाथ-कंधों की मांसपेशियां मजबूत होती हैं, इससे मानसिक ही नहीं, आपके संपूर्ण स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखने का सबसे कारगर उपाय माने जाते हैं। कई तरह की बीमारियों के जोखिम को कम करने के साथ शरीर की ऊर्जा में वृद्धि करने और बेहतर स्वास्थ्य सुनिश्चित करने में योग विशेष भूमिका निभाते हैं। इसके अलावा आंखों की रोशनी बढ़ती है और मस्तिष्क में एनर्जी का ग्लो बेहतर बनता है। सर्वांगासन योग ऐसा ही अभ्यास है। इस आसन को करने के लिए पीठ के बल लेटकर दोनों हथेलियों को नीचे रखें और पैरों को सीधे हवा में ऊपर उठाते हुए सिर की ओर मोड़ें। हाथों को कमर का सहारा देते हुए कंधे, रीढ़ की हड्डी और हिप्स को सीधा करें। इस पोजीशन में 30 सेकेंड रहने के बाद धीमी गति से पुरानी स्थिति में आ जाएं। संपूर्ण शरीर में सकारात्मक ऊर्जा को बढ़ावा देने के साथ मानसिक स्वास्थ्य संबंधी लक्षणों में सुधार करने के लिए भी इस योग के अभ्यास को लाभदायक माना जाता है।

वृक्षासन

पढ़ाई करते समय अक्सर बच्चों को ध्यान केंद्रित नहीं होता। इस कारण उनका मन भटकता रहता है और पढ़ाई में मन नहीं लगता। लगातार किताब लेकर बैठने का अर्थ पढ़ाई करना नहीं होता। बच्चा पढ़ाई पर फोकस कर सके, इसलिए वृक्षासन का अभ्यास कराएं। इस योग से शरीर का संतुलन बना रहता है और ध्यान एकाग्र करने में मदद मिलती है। वृक्षासन के अभ्यास के लिए सीधे खड़े होकर बाएं पैर पर संतुलन बनाते हुए दाएं पैर को मोड़कर तलवे को बाएं पैर की जांघ पर रखें। इस स्थिति में संतुलन बनाएं और हाथों को जोड़ते हुए सिर के ऊपर ले जाते हुए नमस्कार की मुद्रा ले लें। कुछ देर इसी अवस्था में रहें, बाद में दूसरे पैर से भी प्रक्रिया को दोहराएं।

भस्त्रिका प्राणायाम

लगातार पढ़ाई से आंखों में दर्द होने लगता है और नजर कमजोर होने की शिकायत भी हो सकती है। आंखों को आराम देने और नजर तेज करने के लिए भस्त्रिका प्राणायाम का अभ्यास कर सकते हैं। इस योग से फेफड़ों, कानों और नाक पर भी असर होता है। इस आसन को करने के लिए सुखासन की मुद्रा में बैठकर गर्दन और रीढ़ की हड्डी को एकदम सीधा रखें। अब शरीर को बिना हिलाए गहरी सांस लें और तेजी से दोनों नाक से आवाज करते हुए सांस छोड़ें।

हंसना मना है

ब्वॉयफ्रेंड (फोन पर)- हाय स्वीटहार्ट क्या कर रही हो? गर्लफ्रेंड- मेरी तबीयत खराब है जानू सोने जा रही हूं। ब्वॉयफ्रेंड- मैं सिनेमा हॉल में तेरे पीछे बैठा हूं।

संता अपनी गर्लफ्रेंड के साथ होटल में खाना खाने गया। खाते-खाते एकाएक संता अपनी गर्लफ्रेंड से बोला-सुनो मुझे तुमसे कुछ कहना है, गर्लफ्रेंड-खाना खाते समय बातें नहीं करनी चाहिए पहले खा लो, फिर कहना, खाना खत्म होने पर गर्लफ्रेंड ने पूछा-अब बताओ, क्या कहना चाह रहे थे? संता-तुम्हारी दाल में मक्खी थी।

संता ने अपनी गर्लफ्रेंड का नाम ब्लेड से अपने हाथ पर लिखा। थोड़ी देर बाद वह जोर-जोर से रोने लगा। बंता-क्यों रो रहा है? संता-यार spelling गलत हो गई !

एक महिला सांड को घी चुपड़ी रोटी खिला रही थी, सज्जन व्यक्ति-बहन ये सांड है गाय नही, यह प्रतिदिन गांव में तीन चार लोगों को सिंग मारकर हड्डियां तोड़ देता है, महिला-भाई साहब मुझे पता है कि यह सांड है। मेरे पति हड्डी के डॉक्टर हैं उनका हॉस्पिटल इस सांड के कारण ही चल रहा है।

कहानी | हाथी और शेर

एक जंगल में एक शेर अकेला बैठा हुआ था। वह सोच रहा था कि मेरे पास तो तेज धारदार मजबूत पंजे और दांत हैं। साथ ही मैं एक बहुत ही ताकतवर जानवर भी हूं, लेकिन फिर भी जंगल के सारे जानवर हमेशा मोर की ही तारीफ क्यों करते हैं। शेर को इस बात से बहुत जलन होती थी। जंगल के सभी जानवर कहते थे कि मोर जब भी अपने पंख फैलाकर नाचता है, तो वह बहुत सुंदर लगता है। यही सब सोचकर शेर बहुत दुखी हो रहा था। वह सोच रहा था कि इतना ताकतवर होने और जंगल का राजा होने पर भी कोई उसकी तारीफ नहीं करता है। तभी वहां से एक हाथी जा रहा था। वह भी काफी दुखी था। जब शेर ने उस दुखी हाथी को देखा, तो उससे पूछा, तुम्हारा शरीर इतना बड़ा है और तुम ताकतवर भी हो। फिर भी इतने दुखी क्यों हो? तुम्हें क्या परेशानी है? दुखी हाथी को देखकर शेर ने सोचा कि क्यों न मैं इस हाथी के साथ अपना दुख बांट लूं। उसने हाथी से पूछा कि क्या इस जंगल में ऐसा कोई जानवर है, जिससे तुम्हें जलन होती हो? हाथी ने कहा कि जंगल का सबसे छोटा जानवर भी मुझ जैसे बड़े जानवर को परेशान कर सकता है। शेर ने पूछा कि वह कौन सा छोटा जानवर है? हाथी ने कहा कि महाराज, वो जानवर चींटी है। वह इस जंगल में सबसे छोटी है, लेकिन जब भी वो मेरे कान में घुसती है, तो मैं दर्द के मारे पागल हो जाता हूं। हाथी की बात सुनकर शेर को समझ में आ गया कि मोर तो मुझे चींटी की तरह परेशान भी नहीं करता है, फिर भी मुझे उससे जलन होती है। ईश्वर ने सभी प्राणियों को अलग-अलग खामियां और खूबियां दी हैं। इस तरह शेर को यह समझ में आ गया कि उस जैसे ताकतवर जानवर में भी खूबियों के साथ कमियां हो सकती है। इससे शेर के मन में उसका खोया हुआ आत्मविश्वास फिर से बढ़ गया और उसने मोर से जलन करना बंद कर दिया।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष लेनदारी वसूल करने के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा मनोनुकूल रहेगी। भाग्य का साथ रहेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। समय पर कर्ज चुका पाएंगे।

वृषभ शारीरिक कष्ट संभव है। पारिवारिक समस्या से चिंता बढ़ सकती है। नई आर्थिक नीति बन सकती है। कार्यस्थल पर सुधार व परिवर्तन से भविष्य में लाभ होगा।

मिथुन धार्मिक कार्य में मन लगेगा। कोर्ट व कचहरी के कार्य मनोनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। भाग्य का साथ मिलेगा। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा।

कर्क कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। धनागम होगा। प्रतिद्वंद्वी अपना रास्ता छोड़ देंगे। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें।

सिंह संपत्ति की खरीद-फरोख्त में सफलता मिलेगी। स्थायी संपत्ति की दलाली बड़ा लाभ दे सकती है। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे।

कन्या व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। भूमि व भवन संबंधी कार्य लाभदायक रहेंगे। ऐश्वर्य के साधनों पर व्यय होगा। आय के साधनों में वृद्धि होगी।

तुला व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। निवेश शुभ रहेगा।

वृश्चिक प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। पुराना रोग उभर सकता है। दुःखद समाचार प्राप्त हो सकता है। विवाद से क्लेश संभव है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें।

धनु कानूनी अड़चन सामने आएगी। अज्ञात भय सताएगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। प्रयास सफल रहेंगे। पराक्रम बढ़ेगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

मकर अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें। किसी व्यक्ति के व्यवहार से स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है। घर में अतिथियों का आगमन होगा। शुभ समाचार प्राप्त होंगे।

कुम्भ सुख के साधनों पर व्यय होगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा। निवेश शुभ रहेगा। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है।

मीन व्यवसाय ठीक चलेगा। आय बनी रहेगी। आज माता को शारीरिक कष्ट से बाधा संभव है। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। घरेलू मामले में वाणी पर नियंत्रण रखें।

आंखों की गुस्ताखियां में विक्रांत मैसी के साथ अभिनय करेंगी शनाया कपूर

अभिनेता विक्रांत मैसी ने सोशल मीडिया पर सिनेमा से ब्रेक की बात कही। इस बात के खुलासे के बाद विक्रांत को लेकर हर तरफ चर्चा होने लगी। लोगों को ऐसा लगा कि उन्होंने फिल्मी दुनिया से संन्यास ले लिया है। इस बीच उन्होंने फिल्म की शूटिंग शुरू की है।

विक्रांत मैसी की दो फिल्में साल 2025 में आने वाली हैं। एक फिल्म का टाइटल है आंखों की गुस्ताखियां। इस फिल्म में विक्रांत मैसी के साथ शनाया कपूर नजर आने वाली हैं। फिल्म की शूटिंग अभी बाकी है। इस बीच ही अभिनेता ने अपने ब्रेक की घोषणा कर दी। विक्रांत ने इस ब्रेक पर जाने से पहले बचे हुए कामों को खत्म करने के लिए देहरादून जाकर शूटिंग शुरू कर दी है। उन्होंने पोस्ट पर लिखा, आखिरी दो फिल्में ऐसी बात कह कर उन्होंने सिनेमा से ब्रेक लेने की बात कही।

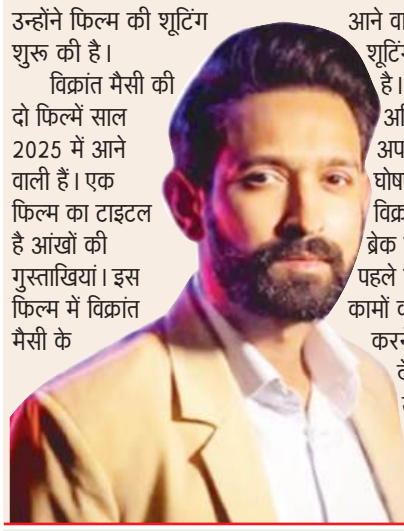

विक्रांत ने कहा, एक्टिंग ही है जो मैं कर सकता हूं, इससे ही मुझे सब कुछ मिल सकता है। मेरी शारीरिक और मानसिक हालत फिलहाल ठीक नहीं है, इसलिए मैं थोड़ा ब्रेक लेना चाहता हूं। मैं थोड़ा बेहतर करना चाहता हूं। मेरी पोस्ट को गलत समझा गया कि मैं फिल्मों से रिटायर लेना चाहता हूं। मैं अपने परिवार और स्वास्थ्य पर ध्यान देने के लिए कुछ समय लेना चाहता हूं। उन्होंने लिखा, पिछले कुछ साल और उससे पहले का समय अद्भुत रहा है।

पुरुष रैपर्स के आपत्तिजनक बोल पर भड़कीं नेहा भसीन

सिंगर नेहा भसीन ने हाल ही में उन पुरुष रैपर्स की आलोचना की जो अपने गानों में महिलाओं के बारे में आपत्तिजनक बोल लिखते हैं। नेहा ने कहा कि रैपर्स ऐसे बोल लिखना जारी रखते हैं, जबकि दर्शक उन्हें सुनते हैं और इसे सामान्य मानते हैं। हालांकि, सोशल मीडिया पर लिखी हुई इस पोस्ट पर सिंगर ने किसी रैपर का नाम नहीं लिया।

बुधवार को नेहा ने अपने इंस्टाग्राम पर एक नोट लिखा, जिसमें उन्होंने पुरुष रैपर्स के लिखे गए बोल पर गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने लिखा, मैं औसत से कमतर पुरुष रैपर्स और गायक बनने की चाहत रखने वालों से बहुत तंग आ चुकी हूं, जो अपने गानों में महिलाओं को अजीबोगरीब चीजें कहते हैं और सभी भारतीय पुरुष और महिलाएं इससे सहमत हैं। क्या भारत में लैंगिक भेदभाव के पाखंड की कोई सीमा है? लड़का करे तो भाई, यार। लड़की करे तो कैरेक्टर ढीला।

सिंगर नेहा ने पोस्ट के कैप्शन में लिखा, मेरे पास कोई पिंजरा नहीं है जिसे मैं खोलना चाहती हूं। मैं दूध मलाई नहीं हूं और मैं निश्चित रूप से बंता की बोतल नहीं हूं। बड़े हो जाओ। कमेंट सेक्शन में नेहा ने लिखा, समाज हमेशा महिलाओं को भड़काऊ कपड़े पहनकर संस्कृति को खराब करने के लिए कहता रहता है या सिर्फ शॉर्ट्स पहनकर भारतीय संस्कृति को खत्म कर रहा है, जबकि आप अपने बच्चों को सिर्फ इसलिए अपमानजनक गीतों पर रील बनाने के लिए कहते हैं, क्योंकि यह ट्रेंड कर रहा है। हालांकि, बाद में नेहा ने यह पोस्ट डिलीट कर दी।

नेहा ने हाल ही में पीएमडीडी के साथ अपनी लड़ाई के बारे में खुलकर बात की और बताया कि कैसे वह अपनी किशोरावस्था से ही इससे जूझ रही हैं। भसीन ने अपने करियर में कई शानदार गाने गाए हैं, जिसमें 'डंकी', 'कुछ खास है', 'असलम-ए-इश्कुम', 'स्वैग से स्वागत', 'जग घुमेया' और 'हीरिए' जैसे गाने शामिल है।

नेहा भसीन रियलिटी शो 'बिग बॉस 15' का भी हिस्सा थीं, जहां उन्होंने 35वें दिन प्रवेश किया और 55वें दिन बाहर हो गईं। वह 2021 में बिग बॉस ओटीटी का भी हिस्सा थीं। नेहा ने अपने करियर में कई शानदार गाने गाए हैं।

बॉलीवुड | मन की बात

मेरी 'नो एंट्री' को महिला प्रशंसक ने बताया था गंदी फिल्म : फरदीन

कॉमेडी ड्रामा फिल्म नो एंट्री बॉलीवुड की चर्चित फिल्मों में से एक है। साल 2005 की सबसे हिट फिल्मों में से एक है। फिल्म में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले फरदीन खान ने मनोरंजक यादगार घटना साझा की। उन्होंने बताया कि एक महिला प्रशंसक ने उनसे कहा नो एंट्री जैसी फिल्मों का हिस्सा न बनें क्योंकि यह पतियों द्वारा धोखाधड़ी पर आधारित फिल्म थी। फरदीन खान ने बताया कि इस महिला प्रशंसक ने अपने पति और किशोर बच्चों के साथ उनसे ऐसी फिल्म न करने का अनुरोध किया था। फरदीन खान ने बताया, महिला ने कहा, फरदीन मैं आपकी बहुत बड़ी फैन हूं लेकिन अगर आपने आगे ऐसी गंदी पिक्चर नो एंट्री की ना, इतनी एडल्ट पिक्चर, मैं आपकी फैन नहीं रहूंगी। फरदीन खान ने कहा, महिला प्रशंसक ने कहा कि जैसे ही टीवी में ये फिल्म आई, उनके पति और बेटे सारा काम छोड़कर ये फिल्म देखने में लग गए। उन्हें ऐसी गंदी फिल्म बिल्कुल पसंद नहीं आई। निर्देशक अनीस बज्मी, सलमान खान और अनिल कपूर के साथ फिल्म पर काम करने से जुड़ी अपनी शानदार यादों को याद किया। फरदीन खान ने कहा, वे सभी सेट पर मजेदार दोस्ती करते थे और कभी-कभी वे इस हद तक हंसते और मस्ती करते थे कि फिल्मांकन के दौरान एक-दूसरे की आंखों में देखना मुश्किल हो जाता था। फरदीन खान ने कहा, इस तस्वीर के आधे हिस्से में, मैंने कभी अनिल कपूर की तरफ नहीं देखा क्योंकि मैं जोर से हंसता था। मैं दूसरी तरफ देखता था, इसलिए ऐसा ही था। कास्ट की बात करें तो फिल्म में सलमान खान, अनिल कपूर, लारा दत्ता, बिपाशा बसु, सेलिना जेटली और कई अन्य कलाकार महत्वपूर्ण भूमिकाओं में थे। वर्क फ्रंट की बात करें तो फरदीन खान को हाल ही में हीरामंडी फिल्म में देखा गया था।

यह एकमात्र जानवर है जिसका दूध सफेद नहीं काला होता है

दूध का रंग आमतौर पर सफेद होता है, भले ही ये किसी भी जानवर का हो। यूं भी कहा जा सकता है कि हम ज्यादातर जिन जानवरों के दूध का इस्तेमाल करते हैं, वो सफेद ही होते हैं। हालांकि कुछ जानवरों के दूध का रंग अलग-अलग भी होता है, जैसे गुलाबी, नीला और पीला भी। आज हम आपको इन सबसे अलग एक ऐसे जानवर के बारे में बताएंगे, जिसके दूध का रंग सबसे अलग यानि काला होता है। चौंकिए मत, उस जानवर को आपने देखा भी है, लेकिन आपको उसके बारे में ये पता नहीं होगा।

इससे पहले आइए जानते हैं कि दूध में क्या पाया जाता है? दूध में प्रोटीन, विटामिन 12, कैल्शियम, पोटैशियम, फास्फोरस जैसे कई महत्वपूर्ण तत्व मौजूद होते हैं यह हड्डियों और दांतों को मजबूत बनाता है। यही वजह है कि ये हमारे डेली रूटीन का हिस्सा भी है।

ठंडे दूध का सेवन करने से पेट में गैस्ट्रिक एसिड स्थिर हो जाता है। दूध में कैल्शियम होता है, जो पेट में एसिड बनने से रोकता है। अपने पोषक तत्वों की वजह से ही दूध को बचपन से ही पिलाया जाता है। अब हम अपने सवाल पर लौटते हैं कि वो कौन सा जानवर है, जिसका दूध काला होता है। दरअसल मादा गैंडे का दूध काला होता है। यही दुनिया का एकमात्र ऐसा जानवर है, जो काला दूध देती है। काले गैंडे के दूध में सबसे कम मलाई होती है। मां गैंडे का दूध पानी के समान होता है। इसमें केवल 0.2 प्रतिशत वसा होती है।

अजब-गजब | ग्रामीण मानते हैं इस पक्षी को प्रकृति का आशीर्वाद

बिहार के इस गांव की रक्षा करते हैं चमगादड़

रोहतास। बिहार के रोहतास जिला स्थित दुर्गापुर गांव का एक अनोखा दृश्य लोगों को चमत्कृत कर देता है। यहां के मंदिर परिसर में पीपल और नीम के पेड़ों पर हजारों चमगादड़ बसेरा है। यह नजारा जितना अद्भुत है, उतना ही दुर्लभ है। खास बात यह है कि पूरे जिले में केवल यही एक जगह है, जहां इतने बड़े समूह में चमगादड़ पाए जाते हैं। गांव के लोग मानते हैं कि इनकी उपस्थिति शुभ है और यही कारण है कि गांव में आज तक कोई महामारी नहीं आई है।

इस गांव के बुजुर्ग दयाशंकर दुबे बताते हैं कि चमगादड़ यहां करीब 200 वर्षों से रह रहे हैं। गांव के लोग इनकी पूरी सुरक्षा करते हैं और किसी को इन्हें नुकसान पहुंचाने नहीं देते। उन्होंने एक घटना का जिक्र करते हुए बताया कि कुछ समय पहले एक व्यक्ति ने दो चमगादड़ों को मार दिया था। इसके बाद गांव वालों ने उसे पकड़ लिया और उसकी बंदूक छीन ली। माफी मांगने के बाद ही उसे बंदूक वापस दी गई। दयाशंकर बताते हैं कि इन चमगादड़ों के कारण गांव में कभी कोई प्राकृतिक आपदा नहीं आई और मच्छरों की संख्या भी बेहद कम हो गई है। यही कारण है कि गांव के लोग इन्हें भगवान का चमत्कार मानते हैं। एक तरफ जहां पूरे देश में चमगादड़ों की संख्या लगातार घट रही है, वहीं दुर्गापुर गांव इस मामले में अलग मिसाल पेश करता है। गांव के लोग इन चमगादड़ों को प्रकृति का आशीर्वाद मानते हैं और उनकी रक्षा के लिए प्रतिबद्ध हैं। वहीं ग्रामीण रमेश दुबे ने बताया कि उनके जन्म से पहले से ही यहां हजारों की संख्या में चमगादड़ रह रहे हैं। पहले उनके पूर्वज इनकी रक्षा करते थे और अब यह जिम्मेदारी युवा पीढ़ी ने संभाल लिया है। गांव वालों का मानना है कि इन चमगादड़ों की उपस्थिति इस गांव के लिए शांति और समृद्धि का प्रतीक है। उनका संरक्षण यह दिखाता है कि इंसान और प्रकृति का संतुलन किस तरह जीवन को बेहतर बना सकता है। दुर्गापुर गांव का यह अद्भुत नजारा ना केवल स्थानीय लोगों के लिए गर्व का विषय है, बल्कि पर्यावरण प्रेमियों के लिए भी एक प्रेरणा है।

दिल्ली में वोटर्स का नाम हटवा रही भाजपा : अरविंद केजरीवाल

» बोले- पिछले एक महीने में 11 हजार 18 वोट कटाने की एप्लीकेशन दी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल ने भाजपा पर बेहद गंभीर आरोप लगाया है। केजरीवाल का आरोप है कि दिल्ली में भाजपा गुपचुप तरीके से वोट कटवा रही है। उन्होंने कहा कि शाहदरा विधानसभा में एक महीने में पिछले एक महीने में भाजपा ने 11 हजार 18 वोट कटाने की एप्लीकेशन दी है। यह सिलसिला जारी है। 1000-500 वोट कटवाने की एप्लीकेशन देते हैं।

केजरीवाल ने कहा कि आप के लिए तहकीकात करना सब मुश्किल था, लेकिन जो 500 लोग में से 372 ऐसे मिले जो लोग वहीं रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग चोरी-छिपे ऐसे वोटर्स का नाम हटा रहा है, जोकि जीवित हैं और अपने पते पर ही रह रहे हैं। इसमें भाजपा का कहना है कि यह लोग शिफ्ट हो गए हैं। लेकिन, वह वहीं रह रहे हैं। 75 फीसदी से अधिक लिस्ट इनकी गड़बड़ है। यह लोग अधिक से अधिक आप के वोटर मिले, जिनको वोट देने से हटाया गया है। एक लाख 86 हजार के करीब वोट हैं, भाजपा इनमें से 11 हजार के लगभग वोट कटवाने की एप्लीकेशन दे चुकी है। अभी पता नहीं कितनी एप्लीकेशन आएगी। एक विधानसभा से छह प्रतिशत वोट कटवा देंगे तो विधानसभा चुनाव का क्या मतलब रह जाएगा। केजरीवाल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में ऐसे कुछ लोगों को पेश भी किया। पूर्व सीएम ने चुनाव आयोग से मांग की कि अब चुनाव होने तक किसी वोटर का नाम ना काटा जाए। केजरीवाल ने कहा कि भाजपा बड़े स्तर पर दिल्ली में वोट कटवाने के लिए चुनाव आयोग में आवेदन कर रही है और चुनाव आयोग में चोरी छिपे इन आवेदनों पर कार्रवाई चल रही है। आज हम एक विधानसभा का डेटा रख रहे हैं। आने वाले समय में और विधानसभा क्षेत्रों का डेटा रखा जाएगा।

एप्लीकेशन लिस्ट को वेबसाइट पर नहीं डाल रहा चुनाव आयोग

पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि चुनाव आयोग की भूमिका इसमें संदिग्ध है। जिनको हटाने की एप्लीकेशन आती है उनकी लिस्ट को आयोग की वेबसाइट पर डालना होता है। लेकिन, वहां कुछ नहीं है। केवल 487 एप्लीकेशन दिख रही है, जिसमें वोटर को हटाने की एप्लीकेशन हैं। जबकि चुनाव आयोग इन पर कार्रवाई कर चुका है। चुनाव आयोग चोरी-छिपे भाजपा की एप्लिकेशन पर काम कर रहा है। 14 विधानसभा में जनकपुरी विधानसभा से भाजपा की ओर से 6 हजार के करीब वोटर को हटाने की एप्लीकेशन आई है। संगम विहार में पांच हजार, आरके पुरम में चार हजार के करीब एप्लिकेशन मिली हैं।

स्थिर रेपो रेट से महंगाई को काबू में रखने की कोशिश

» लगातार 11वीं बार रेपो रेट 6.50 प्रतिशत पर रही स्थिर

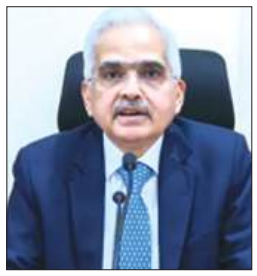

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक की मॉनेटरी पॉलिसी कमेटी बैठक के नतीजों की शुक्रवार को घोषणा हो चुकी है। इस बार भी रेपो रेट में किसी तरह का कोई बदलाव नहीं किया गया। आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास द्वारा की गई घोषणा के अनुसार, लगातार 11वीं बार रेपो रेट को 6.50 प्रतिशत पर स्थिर रखा गया है। रेपो रेट में इस बार भी किसी तरह का बदलाव न होने को लेकर जानकार पहले से उम्मीद कर रहे थे। आरबीआई गवर्नर ने कहा कि हमारी कोशिश आरबीआई अधिनियम के फ्लेक्सिबल टारगेटिंग फ्रेमवर्क का पालन करना है। प्राइस स्टेबिलिटी हमारी अर्थव्यवस्था के हर क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण है। यह लोगों की क्रय शक्ति को प्रभावित करती है, इसलिए इसका महत्व व्यवसायों के लिए भी है। आरबीआई गवर्नर के अनुसार, सीआरआर में 50 बेसिस प्वाइंट की कटौती का फैसला लिया गया है, जिसके बाद कैश रिजर्व रेश्यो को घटाकर 4 प्रतिशत कर दिया गया है।

सीआरआर किसी बैंक की कुल जमा का वह प्रतिशत होता है जिसे बैंक को लिक्विड कैश के रूप में केंद्रीय बैंक के पास रिजर्व के तौर पर रखना होता है। मॉनेटरी पॉलिसी कमेटी की घोषणाओं के अनुसार, कमेटी ने स्टैंडिंग डिपॉजिट फैसिलिटी (एसडीएफ) को भी 6.25 प्रतिशत पर बरकरार रखा है। बैंक रेट और मार्जिनल स्टैंडिंग फैसिलिटी को 6.75 प्रतिशत पर ही स्थिर रखा गया है। कमेटी का मानना है कि सस्टेनेबल प्राइस स्टेबिलिटी के साथ ही उच्च विकास की नींव को मजबूत रखा जा सकता है।

टी तक भारत ने 4 विकेट खोकर बनाए 82 रन

» कोहली और यशस्वी हुए फेल, स्टार्क ने लिए तीन विकेट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

एडिलेड। शुक्रवार से भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के दूसरे मुकाबले की शुरुआत हो चुकी है। यह एक डे नाइट टेस्ट है। पिंक बॉल से खेला जाने वाला यह टेस्ट एडिलेड ओवल में खेला जा रहा है। पहले दिन टी ब्रेक तक भारत ने चार विकेट गंवाकर 82 रन बना लिए हैं। फिलहाल ऋषभ पंत चार रन और कप्तान रोहित शर्मा एक रन बनाकर क्रीज पर हैं। रोहित छठे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरे हैं। यह वही बैटिंग पोजिशन है, जहां पर उन्होंने टेस्ट बल्लेबाजी करियर की शुरुआत की थी। डे नाइट टेस्ट में लंच नहीं बल्कि डिनर ब्रेक होता है।

बता दें ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया है। भारत को मैच की पहली ही गेंद पर झटका लगा था। जब यशस्वी जायसवाल पहली ही गेंद पर एल्बीडब्ल्यू आउट हो गए। उन्हें मिचेल स्टार्क ने पवेलियन भेजा। स्टार्क की गेंद लेग स्टंप पर टप्पा खाकर लेग स्विंग हुई और पैड पर जाकर टकराई। इसके बाद शुभमन गिल और केएल राहुल ने जिम्मेदारी संभाली। एक वक्त टीम इंडिया ने 69 रन पर सिर्फ एक विकेट गंवाया था। इसके बाद 12 रन बनाने में भारत ने तीन और विकेट गंवा दिए। केएल राहुल (37) को मिचेल स्टार्क ने मैकस्वीनी के हाथों कैच कराया। शॉर्ट लेंथ की गेंद को राहुल ने गली में खेलने का प्रयास किया, लेकिन वह पूरी तरह से उसे कमिट नहीं कर सके और मैकस्वीनी ने बेहतरीन लो कैच लिया। विराट कोहली (7) को मिचेल स्टार्क ने स्टीव स्मिथ के हाथों कैच कराया। स्टार्क को मिली यह तीसरी सफलता रही। इससे पहले उन्होंने केएल राहुल और यशस्वी जायसवाल को आउट किया था। उसके बाद शुभमन गिल भी पवेलियन चलते बने। उन्हें स्कॉट बोलैंड ने एल्बीडब्ल्यू आउट किया। वह 31 रन बना सके।

भारत ने किये टीम में तीन बदलाव

भारतीय टीम में तीन बदलाव किये है। जहां शुभमन गिल की देवदत्त पडिक्कल की जगह वापसी हुई है तो वहीं रविचंद्रन अश्विन की वॉशिंगटन सुंदर की जगह खिलाया गया है। भी वापसी हुई है। ध्रुव जुरेल को बेंच पर बैठाकर कप्तान रोहित शर्मा की वापसी हुई है। वहीं, ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस ने कहा कि उनकी प्लेइंग-11 में एक बदलाव है। जोश हेजलवुड की जगह स्कॉट बोलैंड की वापसी हुई है।

दिल्ली विश्वविद्यालय कैंपस में छात्र संघ कार्यालय का उद्घाटन

अदिति यादव और प्रिया सरोज ने महात्मा गांधी की प्रतिमा पर किया माल्यार्पण

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय के लॉ कैंपस में छात्र संघ कार्यालय का उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर सांसद प्रिया सरोज और अदिति यादव मौजूद थी। सांसद प्रिया सरोज और अदिति यादव ने छात्रसंघ भवन का उद्घाटन रिबन काट कर किया। मुख्य अतिथि अदिति यादव और प्रिया सरोज ने महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी और प्रेरणास्रोत मुलायम सिंह यादव के योगदान को याद किया।

कार्यक्रम का आयोजन छात्र संघ के सहयोग से सीएलसी के छात्र अर्पित वर्मा एवं सचिन यादव द्वारा किया गया। कार्यालय के उद्घाटन के इस कार्यक्रम में संघ के अध्यक्ष उदय यादव सहित संघ के अन्य सदस्य एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने सक्रिय रूप से भाग लिया। यह उद्घाटन छात्र संघ के लिए एक नए अध्याय का प्रतीक है, जो एक जीवंत, समावेशी और प्रगतिशील शैक्षणिक माहौल को बढ़ावा देने के लिए सीएलसी की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

हम इन मुद्दों को संसद में उठाएंगे: प्रिया सरोज

छात्रों और प्रोफेसरों के साथ बातचीत के दौरान, मुख्य अतिथियों ने छात्र समुदाय की आकांक्षाओं और चिंताओं के बारे में सार्थक चर्चा की। कुछ छात्रों ने अपनी शिकायतें व्यक्त कीं, जिन्हें प्रिया सरोज (सांसद) ने ध्यानपूर्वक संबोधित किया, जिन्होंने सभा को आश्वासन दिया कि वह उचित समाधान के लिए इन मुद्दों को संसद में उठाएंगी।

ट्रैफिक अवेयरनेस प्रोग्राम का आयोजन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। 6 दिसंबर नागरिक सुरक्षा स्थापना दिवस के अवसर पर डिवीजन वार्डन सुनील यादव के नेतृत्व में यातायात जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। लखनऊ के पॉलिटेक्निक चौराहे पर इंदिरा नगर के सैकड़ों वार्डनो ने यातायात जागरूकता कार्यक्रम कर आम जनमानस जो यातायात नियमों की जानकारी देते हुए जागरूक किया।

उक्त कार्यक्रम में सम्मलित होने वालो में राजेंद्र प्रसाद,के आर पाल, अश्वनी जायसवाल, मनोज मिश्रा, प्रदीप शुक्ला, आर आर जैसवार, महेश वाल्मीक, सुबोध पाठक, डी के पुरुषोत्तम, यश पाल सिंह, रवि सक्सेना, शरद मल्होत्रा, मुस्तकीम, इरफान हुसैन, अहिवरन सिंह, बनी सिंह, अनिल त्रिपाठी, आलोक सक्सेना, देवाशीष राय, दीपक श्रीवास्तव, वी एस कनौजिया, पवन शुक्ला, जगदीश यादव, आशीष यादव, अनुराग पाल, अमलेश जायसवाल आदि लोग मौजूद थे।

साहेब से लेकर सरकार बाबा साहब के द्वार

राहुल गांधी की लाल किताब और अखिलेश यादव के पीडीए से डरी बीजेपी बाबा साहब का परिनिर्वाण दिवस किया हाईजैक !

4पीएम न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। राहुल गांधी की संविधान वाली लाल किताब और अखिलेश यादव के पीडीए से डरी भाजपा ने बाबा साहब के परिनिवार्ण दिवस पर बूथ स्तर पर बड़े कार्यक्रम कराने के लिए मजबूर हो गयी। कार्यक्रमों मे सीएम योगी से लेकर संगठन मंत्री तक की ड्यूटी लगाई गयी। यही नहीं कार्यक्रम से पहले सभी के लिए जरूरी कर दिया गया गया कि वह संविधान की प्रस्तावना का वाचन जरूर करे। आज बाबा साहब का परिनिर्वाण दिवस बड़ी धूम धाम से मना लखनऊ में सीएम योगी आदित्यनाथ और प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह ने बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर की पुण्यतिथि पर विभिन्न कार्यक्रमों में सम्मिलित हुए पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी ने बुलन्दशहर में बाब साहब को नमन किया।

राजनीति में बस आप को मुद्दों की लकीर को थोड़ा सा गाढ़ा करना होता है। ठीक वैसे ही जैसे आज भारतीय जनता पार्टी ने किया। बीजेपी में बाबा साहब परिनिर्वाण दिवस की तैयारियां चुपचाप पिछले कई दिनों से चल रही थी। इस दिवस पर बड़ा मैसेज देने के लिए बीजेपी ने साहेब से लेकर सरकार तक की ड्यूटी छोटे-बड़े कार्यक्रमों में लगा दी। बीजेपी किसी भी कीमत पर अलिखेश यादव के पीडीए मुददे में सेंध लगाना चाहती है। वह इस मुददे की हवा निकाल कर यह बताना चाहती है कि बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर के बताये रास्ते और संविधान पर सिर्फ वहीं चल रही है।

बीजेपी की जबर्दस्त तैयारी मंत्रियों की जिम्मेदारी

प्रदेश महामंत्री अनूप गुप्ता के मुताबिक केन्द्रीय मंत्री एसपी सिंह बघेल आगरा केन्द्रीय मंत्री बीएल वर्मा बदायूं में बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की पुण्यतिथि पर विभिन्न कार्यक्रमों में सम्मिलित होकर संविधान निर्माता को कृतज्ञ नमन किया। प्रदेश मंत्री शंकर लोधी ने बताया कि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने लखनऊ में, स्वतंत्र देव सिंह ने फिरोजाबाद में, सुरेश खन्ना ने लखनऊ में, रामकेश निषाद ने बांदा, मनोहर लाल मन्नू ने ललितपुर, रविन्द्र जायसवाल ने वाराणसी, गिरीश चन्द्र यादव ने जौनपुर में, विजय लक्ष्मी ने देवरिया में, राकेश सचान ने कानपुर देहात, अजीत पाल कानपुर देहात, प्रतिभा शुक्ला कानपुर देहात, लक्ष्मीनारायण मथुरा, बेबी रानी मौर्य आगरा, संदीप सिंह अलीगढ, जसवंत सैनी सहारनपुर, ब्रजेश सिंह सहारनपुर, सुनील शर्मा गाजियाबाद, नरेन्द्र कश्यप गाजियाबाद , सोमेन्द्र तोमर मेरठ, गुलाब देवी संभल में बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर जी की पुण्यतिथि पर विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल हुए।

पीएम मोदी से लेकर जेपी नड्डा तक ने किया याद

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने उनको याद किया और श्रद्धांजलि दी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बाबा अंबेडकर के संघर्ष को याद करते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक तस्वीर शेयर की और लिखा, महापरिनिर्वाण दिवस पर हम संविधान निर्माता और सामाजिक न्याय के प्रतीक डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर को नमन करते हैं। समानता और मानवीय गरिमा के लिए डॉ. अंबेडकर का अथक संघर्ष पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा। आज, जब हम उनके योगदान को याद करते हैं, तो हम उनके सपने को पूरा करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता भी दोहराते हैं। इस साल की शुरुआत में मुंबई में चैत्य भूमि की अपनी यात्रा की एक तस्वीर भी साझा कर रहा हूँ। जय भीम! केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह बाबा अंबेडकर को सामाजिक न्याय का प्रणेता बताया। उन्होंने एक्स पर लिखा, सामाजिक न्याय के प्रणेता, भारतीय संविधान के शिल्पकार और भारत रत्न से सम्मानित डॉ. बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर जी के महापरिनिर्वाण दिवस पर उन्हें सादर नमन। बाबासाहेब ने भारतीय समाज में समानता, स्वतंत्रता और बंधुत्व के सिद्धांतों को स्थापित किया और हर भारतीय के सपने को अधिकारों और अवसरों में बदलने का मार्ग दिखाया। उनके मार्गदर्शन में बना भारतीय संविधान, हमारे लिए केवल एक दस्तावेज नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण का मूल मंत्र है। बाबासाहेब के आदर्शों व सिद्धांतों को साकार करने की दिशा में हम निरंतर कार्य करते रहेंगे।

भूकंप के बाद सुनामी की आहट, दहला कैलिफोर्निया

तीव्रता रिक्टर स्केल पर 7.0 दर्ज की गई

4पीएम न्यूज नेटवर्क

नई दिल्ली। उत्तरी कैलिफोर्निया के कुछ हिस्सों में 7.0 तीव्रता का भूकंप आया, जिसके बाद अस्थायी रूप से सुनामी की चेतावनी जारी करनी पड़ी। उत्तरी कैलिफोर्निया और सैन फ्रांसिस्को खाड़ी के कुछ तटीय क्षेत्रों को खाली भी कराना पड़ा।

युनाइटेड स्टेट्स जियोलॉजिकल सर्वे के मुताबिक नॉर्दर्न कैलिफोर्निया के तटीय क्षेत्र में भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए, जिसकी तीव्रता रिक्टर स्केल पर 7.0 दर्ज की गई। भूकंप के यह झटके स्थानीय समय के अनुसार गुरुवार की सुबह 10.44 बजे महसूस किए गए हैं। शुरुआत में इसकी तीव्रता 6.6 बताई गई लेकिन बाद में इसे अपग्रेड कर 7.0 बताया गया। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, भूकंप का केंद्र 0.6 किलोमीटर की गहराई पर था।

ये उत्तरी कैलिफोर्निया के हम्बोल्ट काउंटी के 1,000 से अधिक की आबादी वाले शहर फर्नडेल से लगभग 100 किमी उत्तर-पश्चिम में के एक तटीय क्षेत्र में आया। भूकंप आने के कुछ ही मिनटों बाद यूएस नेशनल वेदर सर्विस द्वारा कैलिफोर्निया के 5.3 मिलियन लोगों के लिए सुनामी की चेतावनी जारी की गई। इसे लेकर येलो अलर्ट जारी किया गया जो मामूली नुकसान को लेकर सतर्क करता है। हालांकि बाद में इसे वापस भी ले लिया गया। भूकंप के झटकों का असर सैन फ्रांसिस्को तक भी पहुंचा। जिसकी वजह से सैन फ्रांसिस्को और ऑकलैंड को जोड़ने वाली पानी के नीचे की सुरंग के माध्यम से गुजरने वाली सभी पारागमन सेवाओं को अस्थायी रूप से रोक दिया गया।

लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे पर स्लीपर बस और टैंकर में भिड़ंत, छह लोगों की मौत, 40 से अधिक घायल

4पीएम न्यूज नेटवर्क

कन्नौज। जिले के सकरावा थाना क्षेत्र में शुक्रवार दोपहर एक बजे लखनऊ से दिल्ली जा रही सवारियों से भरी स्लीपर बस से टैंकर की टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों वाहन डिवाइडर से टकराकर पलट गए। हादसे में करीब 40 लोग घायल हुए हैं।

इसमें करीब छह लोगों की मौत की भी बात सामने आ रही है। रास्ते से गुजर रहे जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने काफिल रोककर हादसे की जानकारी ली। घायलों को मेडिकल कालेज तिर्वा और सैफई रेफर किया गया है।

फोटो: सुमित कुमार

शंभू बॉर्डर से दिल्ली कूच के लिए निकले किसान

आंसू गैस के गोलों के बीच आगे बढ़ रहे किसानों को हरियाणा पुलिस ने रोका, जोश में 2 बैरिकेड पार कर गये किसान

4पीएम न्यूज नेटवर्क

नई दिल्ली। शम्भू बार्डर से 101 किसानों के मरजीवड़ा जत्थे का दिल्ली कूच शुरू हो चुका है। ये पैदल मार्च शंभू बॉर्डर से शुरू हुआ है। किसानों के मार्च को देखते हुए सुरक्षा बेहद कड़ी की गई है। हालांकि, जिला प्रशासन ने कहा है कि धारा 163 लागू होने के चलते जिले में पांच या अधिक व्यक्तियों की किसी भी गैरकानूनी सभा पर रोक है। यही नहीं पैदल, वाहन या अन्य साधनों के इस्तेमाल पर भी रोक लगा दी गयी है।

किसानों का इन प्रतिबंधों का कोई असर देखने को नहीं मिला। और किसान पूरी ताकत के साथ आगे बढे। पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े? जिससे आधा दर्जन किसानों के घायल होने की खबर आ रही है। खबर लिखे जाने तक अपनी जिद पर अड़े किसान आगे बड़ रहे हैं। किसानों को दो बैरीकेड पार कर लेने के बाद हरियाणा पुलिस और पैरामिलेट्री के बैरिकेड पर रोक लिया गया है। किसान आगे जाने के लिए बा जिद हैं।

किसानों का कहना है कि सिर्फ 101 किसान पैदल दिल्ली जा रहे हैं और उन्हें जाने दिया जाए। हालांकि 101 किसानों के दिल्ली कूच से संयुक्त किसान मोर्चा ने खुद को अलग कर लिया है। भारतीय किसान यूनियन (चढूनी) के अध्यक्ष गुरनाम सिंह चढूनी का कहना है कि इस पैदल मार्च के लिए उनसे संपर्क नहीं किया गया है और न ही उनसे सलाह ली गई। इसलिए वे इस पैदल मार्च में शामिल नहीं होंगे।

क्या हैं मांगें ?

एमएसपी के अलावा, किसान कृषि लोन माफी, किसानों और खेत मजदूरों के लिए पेंशन, बिजली दरों में कोई बढ़ोतरी नहीं, पुलिस मामलों (किसानों के खिलाफ) को वापस लेने और 2021 के लखीमपुर खीरी हिंसा के पीड़ितों के लिए न्याय की भी मांग कर रहे हैं। भूमि अधिग्रहण अधिनियम, 2013 को बहाल करना और 2020-21 में पिछले आंदोलन के दौरान मारे गए किसानों के परिवारों को मुआवजा देना भी उनकी मांगों का हिस्सा है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।